फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 101 प्रभात जयपुर, गुरूवार 12 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com



ISRAEL'S INCONCLUSIVE MANDATE

"You cannot disregard such a large portion of the electorate in the calculations for Israeli politics." Though, both Netanyahu and Eisenkot have rejected the idea of partnering with them

32 Marines vs. an Entire Regiment

A Mysterious Creature of Colour and Gender

मध्यावधि चुनाव नतीजे, भारत-अमेरिका संबंधों पर जनमत संग्रह नहीं है

विशेषज्ञों के अनुसार, नई दिल्ली के प्रति वॉशिंगटन की नीति में कोई बदलाव होने वाला नहीं है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 नवम्बर। अमेरिका के मध्यावधि चुनावों में (मिडटर्म इलैक्शन) डेमोक्रेटिक पार्टी को मिली भारी जीत ने राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को राजनीतिक झटका दिया है, जिससे पार्टी को हाउस ऑफ रिप्रेज़ैंटेटिव्स और सीनेट, दोनों का कंट्रोल मिल गया है। ट्रंप के लिए इसका मतलब है कि राष्ट्रपति पद के अंतिम दो वर्ष उनके लिए अधिक मुश्किल होने वाले हैं। भारत के लिए यह घटनाक्रम रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण संबंधों में अनिश्चितता का एक नया दौर शुरू करता है।

- विशेषज्ञों ने कहा कि अमेरिका की राजनीति उन हालात को नया रूप दे देती है, जिनके तहत कूटनीति काम करती है।
- कूटनीति के जानकारों ने कहा कि भारत को व्यक्तिगत संबंधों पर निर्भरता से बचते हुए दोनों प्रमुख दलों, डैमोक्रेट्स एवं रिपब्लिकन्स में अपना समर्थन मजबूत करना चाहिए।
- ट्रंप को करीब से जानने वाले लोग कहते हैं कि अमेरिका में राजनैतिक रूप से कमज़ोर पड़ चुके ट्रंप विश्व के अन्य भागों में ताकत दिखाने की कोशिश कर सकते हैं।

यह जनादेश जीवन-यापन की बढ़ती लागत, टैरिफ (आयात शुल्क) और ईरान के साथ अमेरिका के तनाव को लेकर मतदाताओं की नाराज़गी को दर्शाता है। जनवरी 2027 से डैमोक्रेट्स कांग्रेस की समितियों की कमान संभालेंगे, विधायी एजैंडे को तय करेंगे और सरकार के कामकाज की निगरानी करने के अधिकारों का इस्तेमाल करेंगे। वे प्रशासन के फैसलों की जांच कर सकते हैं, सरकारी खर्चों की बारीकी से जांच कर सकते हैं, और राष्ट्रपति द्वारा नामित लोगों की नियुक्तियों को रोक या टाल सकते हैं। इन नतीजों से ट्रंप के घरेलू एजेंडे पर लगाम लग सकती है, बजट संबंधी बातचीत मुश्किल हो सकती है और राजनीतिक रूप से बंटे हुए वॉशिंगटन में उनके प्रशासन को कांग्रेस की लगातार कड़ी निगरानी का सामना करना पड़ सकता है।

नई दिल्ली के लिए व्यापार तत्काल चिंता का विषय है। अमेरिका भारतीय वस्तुओं और सेवाओं का एक बड़ा बाजार है और ट्रंप की टैरिफ नीति ने भारतीय निर्यातकों को परेशान कर दिया है। कांग्रेस पर डेमोक्रेटिक पार्टी का नियंत्रण होने से टैरिफ से जुड़ी लागतों की अधिक जांच होगी और इस मुद्दे पर संतुलित चर्चा को बढ़ावा मिल सकता है। हालांकि, टैरिफ को जल्द वापस लिए जाने की संभावना कम है। आयात शुल्क लगाने का अधिकांश अधिकार कार्यपालिका (राष्ट्रपति प्रशासन) के पास है और राष्ट्रपति के वीटो को पलटने के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के पास पर्याप्त संख्या नहीं है। इसलिए, भारतीय कारोबारियों को आगे भी अनिश्चितता के लिए तैयार रहना चाहिए।

इमिग्रेशन (आप्रवासन) भी एक संवेदनशील मुद्दा है। वर्क वीज़ा पर पाबंदियाँ और एच-1बी वीज़ा के नियमों को लेकर अनिश्चितता का असर भारतीय पेशेवरों, छात्रों और टैक्नॉलजी कंपनियों पर पड़ता है। डेमोक्रेटिक पार्टी के नियंत्रण वाली कांग्रेस, नियमों के पालन और उचित कानूनी प्रक्रियाओं की कड़ी निगरानी की मांग कर सकती है, लेकिन वह प्रशासन को अपनी सख्त नीतियों को छोड़ने के लिए मजबूर नहीं कर सकती। भारतीय कामगारों के हित, नौकरियों, वेतन और इमिग्रेशन को लेकर अमेरिका में चल रही व्यापक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कश्मीर में सीआरपीएफ कैम्प पर आतंकी हमला

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 नवम्बर। अधिकारियों ने बुधवार को जानकारी दी कि जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में अखरन स्थित सेन्ट्रल रिज़र्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) की चौकी पर हुए आतंकी हमले में दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए।

- हमले में सीआरपीएफ के दो जवान घायल हो गए।

यह हमला दोपहर बाद कुलगाम जिले के मीर बाजार के पास अखरन में हुआ।

सीआरपीएफ ने एक बयान में कहा, "आज दोपहर जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में नाका ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मियों पर मोटरसाइकिल सवार अज्ञात हमलावरों ने गोलीबारी की, जिसमें सीआरपीएफ के दो जवान घायल हो गए।"

बयान के मुताबिक, यह घटना दोपहर करीब 2.15 बजे हुई। हमलावरों ने सीआरपीएफ जवानों पर गोलीबारी की और इसके बाद मौके से फरार हो गए।

घायल जवानों को इलाज के लिए अनंतनाग जिले के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हमलावरों की तलाश के लिए इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है।

'राहुल और प्रियंका को शैक्षणिक सत्र के बीच में ही बोर्डिंग स्कूल से वापस बुला लिया गया था'

'खुफिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों बच्चों को बोर्डिंग स्कूल से किडनैप करने का खतरा था'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 नवम्बर। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को शैक्षणिक सत्र के बीच में ही उनके बोर्डिंग स्कूलों से दिल्ली वापस बुला लिया गया था। ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद की खुफिया रिपोर्टों में चेतावनी दी गई थी कि राहुल व प्रियंका को अगवा करने की साजिश रची जा रही है। उनकी मां और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अपनी आत्मकथा "बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव" में यह बात लिखी है।

- सोनिया गांधी ने अपनी आत्मकथा "बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव" में बताया कि उनकी सास, प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को पूर्व इंटैलिजैंस प्रमुख और सुरक्षा सलाहकार आर.एन. काओ ने ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद प्राप्त खुफिया रिपोर्ट्स के आधार पर बताया था कि बच्चों को किडनैप किए जाने का खतरा है।
- सोनिया ने बताया कि जानकारी मिलने के बाद इंदिरा गांधी ने राजीव व सोनिया को बुलाकर सारी बात बताई और बच्चों को वापस बुलाने को कहा। यह बात सुन कर वे बहुत डर गई थीं और अपने कमरे में आकर बहुत रोईं थीं।
- सोनिया ने बताया कि राजीव नहीं चाहते थे कि उनके बच्चों को बंधक बनाकर उनकी माँ प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से जबरन कुछ कराया जाए। इसलिए बच्चों को तुरंत वापस भारत बुला लिया गया।

सोनिया गांधी ने लिखा है कि यह चेतावनी पूर्व खुफिया प्रमुख और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सुरक्षा सलाहकार आरएन काओ ने दी थी। उनका आकलन था कि बच्चों को उनके बोर्डिंग स्कूलों में अब सुरक्षित रख पाना संभव नहीं था।

एक शाम भोजन के बाद हमेशा की तरह अपनी सास के अध्ययन कक्ष में पहुंचने पर सोनिया गांधी और उनके पति, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को इंदिरा गांधी ने बैठने के लिए कहा। इसके बाद उन्होंने गंभीर स्वर में उनसे बात की।

संस्मरण के अनुसार, इंदिरा गांधी ने दंपति से कहा, "मैं आप दोनों से एक ऐसी बात करना चाहती हूं, जिससे मैं पिछले कुछ दिनों से चिन्तित हूँ। मुझे काओ ने बताया है कि ऐसी खबरें मिली हैं कि बच्चों (राहुल और प्रियंका गांधी) को अगवा किया जा सकता है। उनका कहना है कि अब उन्हें उनके स्कूलों में सुरक्षित रख पाना संभव नहीं है। हमें उन्हें घर वापस लाना होगा।"

इस बातचीत से परिवार में तुरंत भारी चिंता फैल गई। इंदिरा गांधी ने शांत बने रहने की कोशिश की, लेकिन सोनिया गांधी घबरा गईं। बाद में जब वे और उनके पति अपने कमरे में लौटे, तो सोनिया गांधी अपने आंसू नहीं रोक सकीं। सोनिया गांधी ने लिखा, "बच्चों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

योगी आदित्यनाथ ने पटाखे फोड़ने की खूब तारीफ की

यूपी के मुख्यमंत्री ने कहा कि जो अपने भ्रष्ट कृत्यों से सारे सिस्टम को प्रदूषित करते हैं, उन पर तो कोई सवाल नहीं उठाता, पर, जब साल में एक दिन लोग पटाखे फोड़कर खुश होते हैं तो लोग प्रदूषण का मुद्दा उठाने लगते हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 नवम्बर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धनतेरस और दिवाली के दौरान पटाखे फोड़े जाने की सराहना की और कहा कि यह दृश्य देखकर उन्हें खुशी हुई। उन्होंने खुद अयोध्या में पटाखे फोड़े।

- योगी आदित्यनाथ ने लोगों से कहा, प्रदूषण की चिंता मत कीजिए, अगर वायु प्रदूषण बढ़ा भी है तो कम हो जाएगा।
- योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उन्होंने खुद अयोध्या में पटाखे चलाए थे।

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब पूरे देश में, खासकर दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण को लेकर चिंता जताई जा रही है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने भ्रष्ट कामों से पूरी व्यवस्था को प्रदूषित करने वालों से कोई सवाल नहीं करता, लेकिन अगर लोग एक दिन पटाखे जलाकर खुशी मनाते हैं, तो तुरंत प्रदूषण का मुद्दा उठने लगता है।

उन्होंने कहा, "अपने भ्रष्ट कामों से पूरी व्यवस्था को प्रदूषित करने वालों से कोई सवाल नहीं करता। लेकिन अगर जनता पटाखे जलाती है और एक दिन आतिशबाजी करके उत्सव मनाती है, तो लोग प्रदूषण की बात करने लगते हैं।"

दिवाली के अवसर पर लोगों द्वारा पूरे उत्साह और धूमधाम से पटाखे और आतिशबाजी करने पर खुशी जताते हुए उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने किसी तरह की पाबंदियों को बढ़ावा नहीं दिया, बल्कि सभी को स्वतंत्र रूप से त्योहार मनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने अयोध्या में अपनी दिवाली का जिक्र करते हुए बताया कि उन्होंने खुद भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'इंडिया ब्लॉक के मुख्य शिल्पी तो नीतीश कुमार ही थे'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 नवम्बर। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के संस्मरण में जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का जो चित्रण किया गया है, उस पर जद (यू) ने नाराज़गी जताई है।

- जद (यू) ने यह दावा करते हुए सोनिया गांधी की इस बात का खंडन किया कि नीतीश गठबंधन छोड़ने का मौका ढूंढ रहे थे।

जद (यू) ने कहा है कि नीतीश कुमार विपक्षी इंडिया गठबंधन के प्रमुख शिल्पकार और उसे आगे बढ़ाने वाली ताकत थे। पार्टी ने सोनिया गांधी के इस दावे को खारिज किया कि नीतीश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'वायु प्रदूषण भी कोविड जितना बड़ा सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है'

डब्ल्युएचओ की पूर्व मुख्य वैज्ञानिक सौम्या स्वामीनाथन ने कहा कि शरीर के हर अंग पर वायु प्रदूषण का प्रभाव पड़ता है, इसलिए इसे करोना संक्रमण की तरह ही गंभीरता से लेना चाहिए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 नवम्बर। समय से पहले मौत, मधुमेह और अस्थमा की आशंका, मस्तिष्क, फेफड़ों और हृदय से जुड़ी बीमारियों पर असर-शरीर के शायद ही किसी अंग या हिस्से पर वायु प्रदूषण का प्रभाव न पड़ता हो। इसलिए इसे भी करोना वायरस संक्रमण (कोविड) की तरह गंभीरता से लेने की जरूरत है। वर्ल्ड हैल्थ ऑर्गनाइडेशन (डब्ल्यू.एच.ओ.) की पूर्व मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सौम्या स्वामीनाथन का कहना है कि वायु प्रदूषण भी कोविड जितना ही बड़ा सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है।

- डॉ. स्वामीनाथन ने कहा कि समय से पहले प्रसव और कम उम्र में डायबिटीज़, अस्थमा का जोखिम, मस्तिष्क, फेफड़े और हृदय सभी पर वायु प्रदूषण का प्रभाव पड़ता है।
- उन्होंने कहा, कोविड अचानक आया, खतरा बड़ा था, लोगों में डर था, लोगों की आँखों के सामने जानें जा रही थीं, लेकिन वायु प्रदूषण सर्दियों में ही ज्यादा दिखता है, सामान्यतः आम दिनों में हम उसे देख नहीं पाते, पर यह भी जानलेवा है।

डॉ. स्वामीनाथन कहती हैं, फर्क सिर्फ इतना है कि वायरस से फैली महामारी कोविड अचानक सामने आई थी। लोगों में एक अनजाने खतरे को लेकर बहुत डर था। यह संकट अचानक आया और साफ दिखाई दे रहा था और लोगों की आंखों के सामने जानें जा रही थीं।"

इसके उलट, वायु प्रदूषण सर्दियों को छोड़कर साल के ज्यादातर समय दिखाई नहीं देता।

डॉ. स्वामीनाथन जोर देकर कहती हैं, "हम इसे देख नहीं पाते, हमें प्रदूषित हवा में सांस लेने की आदत हो जाती है और इसका असर धीरे-धीरे सामने आता है। लेकिन यह जानलेवा है।

उन्होंने विस्तार से बताया कि प्रदूषण से होने वाले स्थायी नुकसान को नज़रअंदाज़ करके हम किस तरह एक पूरी पीढ़ी के स्वास्थ्य को दांव पर लगा रहे हैं।

गर्भ में पल रहे बच्चे से लेकर उनके शुरुआती वर्षों तक प्रदूषण के असर पर बात करते हुए डॉ. स्वामीनाथन ने कहा कि जीवन के शुरुआती वर्षों में, जब शरीर और मस्तिष्क का तेजी से विकास होता है, तब पोषण, सीखने-समझने के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मॉर्निंग वॉक में जगदीप धनखड़ बेहोश हुए

नई दिल्ली, 11 नवंबर। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की बुधवार सुबह मॉर्निंग वॉक के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ गई। वे टहलते समय बेहोश होकर गिर पड़े और कुछ मिनट तक अचेत रहे। पहले उन्हें घर ले जाकर

- एम्स के कार्डियो न्यूरो सेंटर में भर्ती।

डॉक्टरों से जांच कराई गई, लेकिन हालत को देखते हुए उन्हें दिल्ली के एम्स में भर्ती कराना पड़ा।

जानकारी के मुताबिक, सुरक्षाकर्मी उन्हें पीसीआर वाहन से घर लेकर पहुंचे। आईएलबीएस की मेडिकल टीम और एम्स के डॉक्टर संदीप सेठ ने उनकी जांच कर जरूरी चिकित्सा सहायता दी। इसके बाद उन्हें एंबुलेंस से एम्स ले जाया गया।

सूत्रों के मुताबिक, 75 वर्षीय धनखड़ को एम्स के कार्डियो-न्यूरो सेंटर में भर्ती किया गया है। फिलहाल कार्डियोलॉजी विभाग के डॉक्टर उनकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एनसीपी का पुनः एकीकरण फिलहाल टला

सबसे बड़ा मुद्दा यह है कि एकीकरण हुआ तो एकीकृत एनसीपी का नेतृत्व कौन करेगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 नवम्बर। नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों को एकजुट करने की कोशिशों में फिलहाल रुकावट आती दिख रही है। नेतृत्व, संगठन पर नियंत्रण और भविष्य में किस राजनीतिक गठबंधन के साथ जाना है, इन मुद्दों पर मतभेदों के कारण प्रस्तावित विलय की राह मुश्किल हो गई है।

- स्व. अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा और बेटा पार्थ पवार फिलहाल एकीकरण के पक्ष में नहीं हैं, जब कि बताया जाता है कि अजित पवार चाहते थे कि दोनों गुट एक हो जाएं, पर, उनके निधन से मामला अटक गया।
- अजित पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी के प्रवक्ता सुनील तटकरे ने कहा कि अगर अजित दादा ज़िंदा होते तो 12 फरवरी को ही पार्टी का एकीकरण हो गया होता।
- हाल ही में एनसीपी के विलय का मामला तब फिर से चर्चा में आ गया, जब पार्थ पवार दो बार शरद पवार से मिलने उनके घर गए। दोनों बार मीटिंग दो-दो घंटे तक चली।
- बाद में कई अन्य नेताओं ने भी शरद पवार के साथ मीटिंग की, पर, अब ऐसा लगता है कि विलय का मुद्दा टल गया है।

दोनों गुटों के वरिष्ठ नेताओं ने फिर से शरद पवार से संपर्क किया, लेकिन सुनेत्रा पवार और उनके बेटे पार्थ पवार तत्काल विलय के पक्ष में नहीं बताए जा रहे हैं। इससे पार्टी के भविष्य और दोनों गुटों के एक होने की स्थिति में उसके नियंत्रण को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

विलय को लेकर नए सिरे से अटकलें तब शुरू हुईं, जब दोनों गुटों के नेताओं ने मुंबई स्थित शरद पवार के आवास 'सिल्वर ओक' पर उनसे मुलाकात की। दिवंगत अजित पवार के बेटे और राज्यसभा सांसद पार्थ पवार ने लगातार दो दिनों तक अपने दादा से मुलाकात की। बताया जाता है कि दोनों बैठकें करीब दो-दो घंटे चलीं।

एनसीपी (एसपी) के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने भी शरद पवार से दो बार मुलाकात की। वहीं, शरद पवार गुट के वरिष्ठ नेताओं जयंत पाटिल, अमोल कोल्हे, अनिल देशमुख और जितेन्द्र आव्हाड ने भी उनके साथ अलग बैठक की, जो करीब तीन घंटे चली। रोहित पवार ने भी शरद पवार से मुलाकात की। रोहित के दादा शरद पवार के सगे भाई थे।

इन बैठकों से ये अटकलें तेज हो गई हैं कि अजित पवार के जीवनकाल में शुरू हुई दोनों गुटों के विलय की कोशिशों को फिर आगे बढ़ाया जा रहा है। हाल की मुलाकातों में शामिल कई नेता शरद पवार और अजित पवार के बीच पहले हुई बातचीत का भी हिस्सा थे। खास तौर पर जयंत पाटिल ने उन चर्चाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

हालांकि, सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाले गुट में प्रस्ताव को आगे बढ़ाने को लेकर कोई स्पष्ट सहमति नजर नहीं आ रही है। अब सवाल सिर्फ यह नहीं रह गया है कि दोनों गुटों को एक होना चाहिए या नहीं, बल्कि यह भी है कि विलय के बाद संगठन का नेतृत्व कौन करेगा, उसकी संरचना कैसी होगी और वह किस राजनीतिक गठबंधन का समर्थन करेगा।

एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे के बदलते बयानों ने भी विलय की चर्चा को नया मोड़ दिया है।

शुरुआत में तटकरे ने स्वीकार किया था कि दोनों गुटों के बीच बातचीत हुई थी और अजित पवार ने प्रस्तावित विलय की रूपरेखा तथा अपना दृष्टिकोण समझाया था। उन्होंने यह संकेत भी दिया था कि 12 फरवरी को विलय की तारीख तय की गई थी।

तटकरे ने कहा था, "अगर अजित दादा जीवित होते, तो दोनों गुटों का विलय 12 फरवरी को पूरा हो गया होता।"

एक अन्य बयान में तटकरे ने कहा कि अजित पवार ने खुद उन्हें बताया था कि विलय की प्रक्रिया किस तरह आगे बढ़ेगी। उनके अचानक निधन के बाद यह प्रक्रिया रुक गई। उन्होंने यह भी कहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुकदमे के लिए पसंद का हाईकोर्ट चुनना गलत है- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 11 नवंबर। सुप्रीम कोर्ट ने फोरम शापिंग की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि केवल इस आधार पर कि एक से अधिक अदालतों को क्षेत्रीय अधिकार प्राप्त है,

- अदालत ने कहा, कुछ मामलों में क्षेत्राधिकार कई हाईकोर्ट के पास होता है, किसी विशेष अदालत को अधिक उपयुक्त मानना भ्रामक है।

किसी खास अदालत को चुनना उचित नहीं ठहराया जा सकता। न ही इससे हाई कोर्ट के बीच वरिष्ठता की धारणा को बढ़ावा दिया जा सकता है।

ज्ञातव्य है कि अपनी पसंद या फायदे को देखते हुए किसी खास अदालत में मुकदमा दायर करने की प्रथा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)